

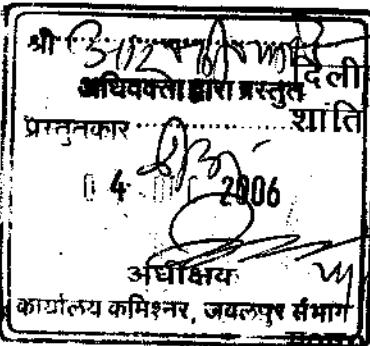
समक्षः— राजस्व मंडल म०प्र०, ग्वालियर

(३५)

रा०अपी०क०

मामूल 1492-PBR/107

(३५)



कुमार पिता भगवानदास धेरवानी, निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी,
नगर कटनी, जिला-कटनी म०प्र०

— अपीलार्थी

२८६
विरुद्ध
शासन

द्वारा—कलेक्टर ऑफ स्टाम्प, जबलपुर

1821

— उत्तरवादी

अपीलार्थी अतिरिक्त कमिशनर जबलपुर संभाग जबलपुर के अपील क. 394ब / 105 सन् 2004-05 दिलीप कुमार वि० म०प्र० शासन में पारित आदेश दिनांक 20/10/06 से व्यथित होकर यह अपील निम्न तथ्यों एवं आधारों पर आलोचना करता है :-

अपील के तथ्य

यह कि, अपीलार्थी ने राममनोहर लोहिया वार्ड (नदीपार) कटनी जो कि कटनी नगर का बहुत पिछड़ा वार्ड है, जहां पर गरीब लोग बहुतायत में रहते हैं। वहां पर एक पुराना साधारण मकान 2,00,000/- अंकन दो लाख रुपयों में लालचंद पिता रहदोमल एवं हीरानंद गांगनदास निवासी जयप्रकाश वार्ड कटनी से दिनांक 02/08/03 में खरीदा था। इसका विक्रय पत्र निर्धारित स्टाम्प पेपर पर लिखकर उपपंजीयक कटनी के कार्यालय में पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया था। उप पंजीयक कटनी ने दुसरे के कहने पर बिना किसी ठोस आधार के अपीलार्थी का विक्रय पत्र जप्त कर उसकी कीमत मनमाने ढंग से 8,0,3000/- (अंकन आठ लाख तीन हजार रुपये) निर्धारित कर उस पर स्टॉम्प शुल्क लगाने को कहा था। अधिक कीमत आंकने के कारण अपीलार्थी ने स्टाम्प डियूटी लगाने में असमर्थता जताई थी, जिस पर से स्टाम्प पेपर जप्त कर जिला पंजीयक (कलेक्टर ऑफ स्टाम्प) जबलपुर के समक्ष धारा 47 के अंतर्गत निर्धारण हेतु भेजा था।

2. यह कि, कलेक्टर ऑफ स्टाम्प जबलपुर ने उप पंजीयक की रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण क. 133बी / 105 सन् 2002-03 पंजीबद्ध कर कार्यवाही शुरू की थी। कलेक्टर ऑफ स्टाम्प जबलपुर द्वारा अपीलार्थी को उसके निवास स्थान पर कोई विधवता सूचना नहीं दी गई और न ही प्रकरण का कोई स्थल निरीक्षण ही किया गया और बिना सुनवाई का अवसर दिये बिना ही मात्र उप पंजीयक की रिपोर्ट के आधार पर आदेश पारित कर दिया जो कि गलत है।

3. यह कि, कलेक्टर ऑफ स्टाम्प जबलपुर ने प्रकरण की आर्डर शीट दिनांक 19/05/2004 में यह लिखा है कि प्रकरण पेंश, अनावेदक

21/5/06

XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, भद्रप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक अपील 1492—पीबीआर/07

जिला — कटनी

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
27-4-16	<p>उभयपक्ष की ओर से कोई उपस्थित नहीं । प्रकरण का अवलोकन किया इस प्रकरण में आवेदक इस अपील को प्रस्तुत किए जाने के दिनांक से लगातार अनुपस्थित हैं यद्यपि उन्हें आगामी पेशियों की सूचना भी दी गई है किंतु आवेदक या उनके अधिवक्ता निरंतर अनुपस्थित हैं । इससे ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदक को इस प्रकरण को चलाने में कोई रुचि नहीं है । अतः प्रकरण को आवेदक द्वारा रुचि न लेने के कारण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है ।</p> <p>प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो ।</p> <p style="text-align: right;">सदस्य</p> <p><i>[Signature]</i></p>	